अनुक्रम

अध्याय 1

प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र 11—53

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी; (ख) सामान्य हिन्दी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र; राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा; हिन्दी भाषा का विकास; भाषा नहीं, भाषा-परम्परा; खड़ी बोली : प्रयोग, निरुक्ति एवं नामकरण, उत्पत्ति तथा विकास; ब्रिटिश शासन काल में हिन्दी

अध्याय 2

स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी की भूमिका 54—70

राष्ट्रीय, सामाजिक तथा धार्मिक नेता एवं हिन्दी; हिन्दी आन्दोलन : संस्थाओं की भूमिका; धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएँ; साहित्यिक संस्थाएँ

अध्याय 3

राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति और गति 71—105

अनुच्छेद 343 से 351; संविधान स्वीकृत भाषा-नीति : एक सर्वेक्षण; हिन्दी के प्रयोग सम्बन्धी राष्ट्रपति के आदेश—1952 तथा 1955; राजभाषा आयोग (सन् 1955); संसदीय राजभाषा समिति (सन् 1957); राजभाषा अधिनियम, 1963; अधिनियम के प्रमुख उपबंध; राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, 1967, 1976; हिन्दी के विकास की विविध दिशाएँ

अध्याय 4

अनुवाद : सामान्य सिद्धांत और समस्या 106—139

अनुवाद की प्रक्रिया; अनुवाद के प्रकार; साहित्यिक अनुवाद; साहित्येतर अनुवाद; अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान; सूचना प्रधान साहित्य अथवा कार्यालयी अनुवाद; अनुवाद : विज्ञान अथवा कला; कम्प्यूटर एवं राजभाषा हिन्दी; अनुवाद का महत्त्व

अध्याय 5

पारिभाषिक शब्दावली 140—160

पारिभाषिक शब्दावली निर्धारण : समस्या और समाधान; सामान्य विशेषताएँ; भारतीय पारिभाषिक शब्दावली : प्रश्नों के घेरे; वर्गीकरण

अध्याय 6

टिप्पण तथा आलेखन 161—168

(क) टिप्पण; (ख) आलेखन; सामान्य विशेषताएँ

अध्याय 7

प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप 169—192

सामान्य कार्यालयी पत्र; कार्यालय ज्ञापन; कार्यालय आदेश, परिपत्र; अर्ध सरकारी/अर्ध शासकीय पत्र; अनौपचारिक निर्देश; टिप्पणी; अनुस्मारक पत्र; पृष्ठांकन/परांकन; शासकीय संकल्प/संस्ताव; अधिसूचना; प्रेस विज्ञप्ति/प्रेस टिप्पणी; तार; तुरंत पत्र; मितव्यय/बचत पत्र/सेविग्राम; सूचना

अध्याय 8

जनसंचार के माध्यम : विज्ञापन और हिन्दी 193—204

विज्ञापन में शब्द की भूमिका, विज्ञापन कला और साहित्य, शब्द और भावबोध, माध्यम परिवर्तन : शब्द और भावबोध, दृक : श्रव्य माध्यम की सामान्य विशेषताएँ और विज्ञापन; विज्ञापन की भाषा के रूप में हिन्दी : समस्या और समाधान

इस पुस्तक को अधुनातन रूप देने के लिए श्री विनोद गोदरे जी की मृत्यु के पश्चात मीडिया भी जोड़ा गया है। जिसके लेखक श्री प्रभात रंजन हैं।

–प्रकाशक